O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी 2009

1. विषय कोड 1 6 6 परीक्षा का विषय समाजशास्त्र

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 04/03/2009

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251024

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2637	L-43

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

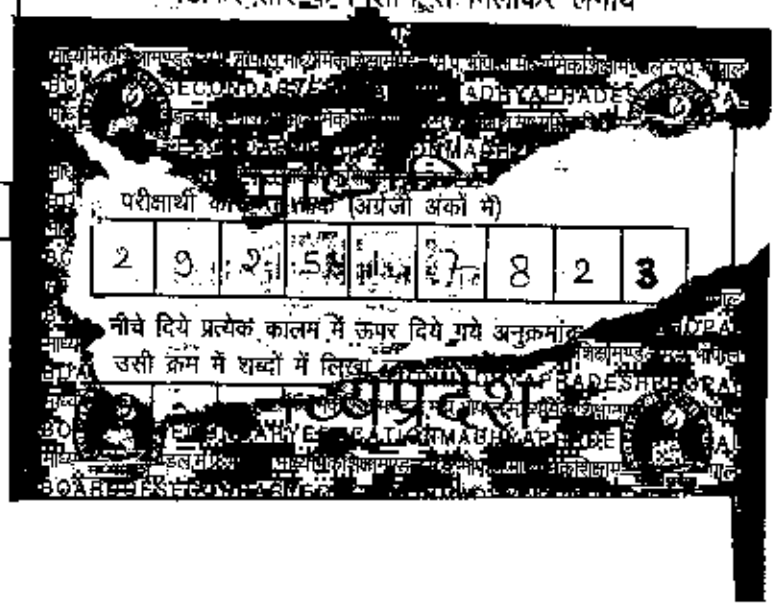

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	2	5	[illegible]	[illegible]	8	2	3

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक उसी क्रम में शब्दों में लिखा ...

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 6 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

नाम देवकी नंदन पद [illegible]

पता/संस्था 115 [illegible]

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित

दिनांक........................

दिनांक........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्रश्न-1 का उत्तर :-

रिक्त स्थान

(1) 102.70 करोड़

(2) जनोपयोगिय

(3) 18

(4) 33%

(5) कानून

प्रश्न-2 का उत्तर :-

(1) वर्ग खुली व्यवस्था है, जाति बंद व्यवस्था है।

(2) मार्क्स के अनुसार कानून का उल्लंघन अपराध है।

(3) प्राणी असामाजिक मनुष्य है।

(4) तुलसीदास ने 'ऋग्वेद' की रचना की।

(5) वर्ग प्रकार पाँच है।

प्रश्न-3 का उत्तर :-

'अ'	'ब'
(1) एम. एन श्री निवास	प्रभु जाति
(2) पॉलिटिक्स इन इण्डिया	रजनी कोठारी
(3) दहेज निरोधक अधिनियम	1961
(4) अभिजात वर्ग	प्रमुख पैरेटो
(5) भारत के राष्ट्रपति	फखरुद्दीन अली अहमद

B S M P

प्रश्न- 4 का उत्तर :-

(1) ईसाई
(2) लगभीयता
(3) मैवर
(4) मजूमदार
(5) मैक्सवेबर

प्रश्न- 5 का उत्तर :-

(1) हिन्दू
(2) स्थाई
(3) 1963
(4) एम० एन० श्री निवास
(5) लोम्ब्रासो

प्रश्न- 6 का उत्तर

उत्तर :- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति जनसंख्या मे तेजी से वृद्धि को रोकने के लिए सन् 1976 मे बनायी गयी।
इसमे अनेक प्रावधान किये गये। परिवार नियोजन कल्याण कार्यक्रम इसी के अन्तर्गत लागू किया गया।

प्रश्न- 7का उत्तर

उत्तर := विवाह समाज द्वारा स्वीकृत मान्यता प्राप्त एक पवित्र और स्थाई बंधन माना जाता है। तथा इसे समाज और कानून दोनों द्वारा ही स्वीकृति प्रदान की जाती है। और व्यक्ति विवाह द्वारा ही अपने सभी सामाजिक धार्मिक कर्तव्यों को पूरा करता है। इस कारण विवाह को सामाजिक संस्था कहा जाता है।

प्रश्न- 8का उत्तर :-

उत्तर := भारत मे अल्पसंख्यक समुदाय के आधार धर्म और भाषा से सम्बंधित है। लेकिन अनेक विद्वानों मे इसमे मतभेद है। क्योंकि जो आर्थिक, सामाजिक, और शैक्षणिक अधिकारों से वंचित है। तथा इसमे निम्न पाठो को चार प्रमुख आधार रखते है।

(1) जो समुदाय बहुसंख्यक के अधीन हो।
(2) जो अपने आपको हीन समझता हो।
(3) जो सामाजिक राजनैतिक सहभागिता मे शामिल न हो।
(4) जिसे लम्बे समय तक अधिकारों से वंचित और उनको निर्बल हिन्दू समूह से अलग हो।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न- 9का उत्तर :-

उत्तर := जिस उपागम मे समाज के ढाँचे या उसकी बनावट

का अध्ययन किया जाये। वह संरचनात्मक उपागम कहलाता है। इसमे समाज से सम्बंधित संस्थायें, विवाह, परिवार और नातेदारी के परिवर्तन के अध्ययन को स्पष्ट किया जाता है। मारोकिन ने अपनी पुस्तक इन इण्डिया सोशल चेन्ज इन कल्चर मोबिलिटी में इस उपागम का सहारा लिया तथा समाज की परिस्थितियाँ, संरचना, विवाह नियम, सम्बंधो और व्यक्ति के मूल्यों की समझा। और अध्ययन किया।

प्रश्न-10 का उत्तर :-

उत्तर :- सामाजिक कानूनो के उद्देश्य

(1) सामाजिक न्याय
(2) सामाजिक सुरक्षा
(3) समानता
(4) सामाजिक समस्यों का समाधान
(5) ग्रामीण, आर्थिक विकास
(6) सामाजिक समन्वय
(7) धर्म निरपेक्षता
(8) स्वतंत्रता।
(9) स्त्रियों की दशा में सुधार
(10) श्रमिको की दशा मे सुधार
(11)

(1) सामाजिक न्याय :- सामाजिक कानून सभी व्यक्तियो को समान न्याय व्यवस्था का प्रावधान करते है। इसमे परम्परागत नियमो की तरह जाति संरक्षण का नियम समाहित नही होगा।

(2) सामाजिक सुरक्षा :- सामाजिक कानून व्यक्तियो को अनेक बुराईयो से दूर रखने का काम करते है।

(3) दुर्बल वर्गो की दशा मे सुधार → सामाजिक कानूनो मे सभी दुर्बल वर्गो को संरक्षण तथा इनके विकास का प्रयत्न किया जाता है। इनको शोषण से मुक्ति दिलाने को कानूनो का निर्माण किया जाता है।

(4) स्त्रीयो की दशा मे सुधार :- कानूनो की वजह से स्त्री शिक्षा मे वृद्धि हो रही है। जिससे वह अपने अधिकारो के प्रति सचेत हो सके।

(5) समस्याओ का समाधान → कानूनो द्वारा अनेक समस्याओ का समाधान किया जाता है। तथा इनकी अधिक से अधिक सुविधा व्यक्ति को प्रदान की जाती है।

प्रश्न - 11 का उत्तर :-

उत्तर :-
(1) जमींदारी व्यवस्था का उन्मूलन करना।
(2) काश्तकारी सुधार
(3) लोगो की चकबंदी करके उत्पादन मे वृद्धि।
(4) वैज्ञानिक - प्रौद्योगिक शिक्षा मे वृद्धि।
(5) लोगो के जीवन स्तर मे सुधार
(6) आर्थिक विकास
(7) ग्रामीण विकास
(8) ग्रामीणो मे राष्ट्रीयता की भावना।

(1) औद्योगिक शिक्षा :- भूमि सुधार द्वारा औद्योगिक विकास से उन्नत कृषि बीज, उन्नत उपकरण और उर्वरक खादो का प्रयोग करके उत्पादन को

(8)

पृष्ठ के अंक

बढना।

(1) आर्थिक विकास := भूमि सुधार का मुख्य उद्देश्य कृषि में वृद्धि करके लोगो के जीवन स्तर मे सुधार करना और उनकी आर्थिक परिस्थिति को उठाना।

(2) कृषि उत्पादन में वृद्धि := कृषि उत्पादन को बढाना इसका प्रमुख उद्देश्य रहा कृषि प्रधान देश होने के बाद भी भारत को स्वतंत्रता के बाद खाद्यान्नो का आयात करना पडा। इस कारण भारत में भूमि सुधार को आवश्यक समझा गया।

(3) ग्रामीणो में राष्ट्रीयता की भावना := भूमि सुधार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणो मे अपने राष्ट्र के प्रति प्रेम और सदभावना को बढाना और परस्पर सहयोग करना प्रमुख माना गया और इस कारण भूमि सुधार आवश्यक समझा गया।

प्रश्न - 12 का उत्तर :-

उत्तर := पूँजीपति कृषक वर्ग ग्रामीण स्तर पर सबसे बडे कृषक वर्ग है। इनमे वे किसान सम्मिलित है। जिनके पास अपनी भूमि आवश्यकता से अधिक तथा बडे - बडे भूमि के मालिक थे। इनमे अपने कृषि भूमि पर स्वयं काम न करके भूमिहीन कृषको या श्रमिको द्वारा करवाया जाता था। तथा यह अपने भूमि पर अनेक व्यवसायिक

पृष्ठ के अंकों का योग

फसलो की खेती करवाते थे। लेकिन जब स्वतंत्रता के बाद भूमि की अधिकतम सीमा का निर्धारण हुआ तो इनकी भूमि सम्बंधी मामले खतरे मे पड गये तो इन्होने अपनी भूमि को अपनी परिवार के सदस्यो मे इस तरह बाट दिया जिससे अधिकतम भूमि सीमा के अंदर रहे।

और परम्परागत रूप से भूमि पर खेती करते रहे।

इनमे जमीदार - महाजन प्रमुख रूप से थे। जब इन्होने अपनी भूमि से अधिक लाभ मिलते न देखो तो यह जमीदार और महाजन शहरो की ओर पलायन कर गये।

तथा 1951 मे स्वतंत्रता के बाद जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन कर दिया गया और भूमिहीन किसानो को पुनः अपनी भूमि पर कृषि कार्य करने का अधिकार मिल गया।

S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

10 | 50 + 5 = 55

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

प्रश्न-13 का उत्तर :-

आधुनिक भारत मे अनेक धर्म-जाति, सम्प्रदाय और मत मतान्तरो के लोग पाये जाते है। इनमे अलग-अलग व्यवहार के नियम खान-पान, व्यवसाय, संस्कृति, कला आदि सभी मे भिन्नता पायी जाती है।

यहाँ पर धार्मिक आधार पर अनेक धर्म से सम्बंधित लोग रहते है।

धर्म को दुर्खीम ने दो वर्गो मे बाँटा है।

(1) धर्म पवित्रता से सम्बंधित उन लौकिक मूल्यो का समावेश है जो अपने धर्म से सम्बंधित लोगो को संगठित करते है

भारत मे सबसे पहले हिन्दू धर्म का उदय हुआ फिर अनेक धर्म इसी धर्म की शाखा से निकले और अनेक धर्म परिलक्षित हो गये।

यहाँ पर इस्लाम धर्म अरब से आया हुआ है जो भारत मे घुल-मिल गया है।

प्रजातीय आधार पर भी यहाँ अनेक प्रजातिये समुदाय पाये जाते है। जिनमे द्रविड, मंगोलायड, काकेशायड प्रमुख है। इनमे प्रजातिये भिन्नता है परन्तु यह सभी लोग साथ-साथ रहते है।

कुछ लोग तो इसे प्रजातियो का अजायबघर तक कह देते है।

भाषायी आधार पर भी यहाँ अनेक भाषाओ के बोलने वाले लोग रहते है। इनमे से 18 भाषाओ को भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है।

BSEMP

5

पृष्ठ के अंको का योग

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारत में 6 धर्म और 18 भाषाये तथा 684 जातियाँ पायी जाती है। फिर भी भारत मे एकता विद्यमान है।

प्रश्न- 14का उत्तर :-

हिन्दू धर्म के सिद्धान्त
(1) आध्यात्मवाद
(2) आत्मा की अमरता
(3) (पंचतत्व) पंच ऋण
(4) पुरुषार्थ
(5) कर्म फल मे विश्वास

(1) पंच ऋण :- हिन्दू धर्म का सिद्धान्त है कि व्यक्ति के ऊपर जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त ऋण होते है। जिन्हे पूरा करना उसका कर्तव्य होता है।
(1) पितृ ऋण (2) देव ऋण (3) अतिथि ऋण (4) जीव ऋण (5) ऋषि ऋण इन ऋणो को पूरा कर करही व्यक्ति उऋण हो सकता है।

(2) पुरुषार्थ :- पुरुषार्थ चारतत्वो से मिलकर बना है। इन्ही तत्वो के संयुक्त रुप को पुरुषार्थ कहा जाता है।
(1) धर्म (2) अर्थ (3) काम (4) मोक्ष
इनको नैतिकता से पालन करना व्यक्ति का कर्तव्य होता है।

BSEMP

2

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) आत्मा की अमरता → हिन्दू धर्म मे आत्मा को ईश्वर का अंश माना जाता है। और शरीर नाशवान तथा आत्मा अमर मानी जाती है। जो जन्म-मरण से बंधी हुई होती है।

(4) कर्म फल मे विश्वास → कर्म फल में विश्वास हर व्यक्ति करता है तथा जैसा कर्म करोगे वैसे ही फल पायोगे के सिद्धान्त पर हिन्दू धर्म टिका हुआ है।

(5) आध्यात्मवाद := आध्यात्मवाद का सम्बंध सन्यासी बनने से नही बल्कि स्वार्थ को छोड कर त्याग और नैतिक कर्तव्यो द्वारा अपने सभी कर्तव्यो को पूरा करने से है।

प्रश्न - 15 का उत्तर :=

(1) व्यक्ति का समाजीकरण करना।
(2) व्यक्ति में नैतिक गुणो का विकास
(3) आर्थिक विकास या आजिविका कमाने योग्य बनाना।
(4) योग्यता का विकास करना।
(5) दुर्बल वर्गो की दशा मे सुधार लाना।
(6) महिलाओ मे जागरूकता बढाना।
(7) सामाजिक समानता लाना।
(8) जातिगत व्यवहार को दूर करना।

(1) व्यक्ति का समाजीकरण करना :- शिक्षा से व्यक्ति में समाज से अनुकूलन करने का बौद्धिक विकास और उसके अनुसार व्यवहार करने की शिक्षा प्रदान होती है। बच्चे की परिवार और पास-पडोस से अनुकूल करने की क्षमता का विकास होता है।

(2) व्यक्ति में नैतिक गुणों का विकास :- शिक्षा व्यक्ति में उचित अनुचित व्यवहार करने की बुद्धि का विकास और समाज से विचलन व्यवहार को दूर करके उसमें नैतिक गुणों का विकास करती है।

(3) आर्थिक विकास :- शिक्षा से व्यक्ति अपनी योग्यता और कुशलता को बढ़ाकर आधुनिक समाज में किसी भी व्यवसाय के द्वारा आजीविका उपार्जित करने की क्षमता का विकास करती है।

(4) महिलाओं में जागरूकता :- शिक्षा महिलाओं में जागरूकता का गुण पैदा करके उन्हें अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक बनाती है।

(5) सामाजिक समानता :- शिक्षा से मानवता का विकास होता है। इसमें लिंग भेद, जाति, आयु, आदि से सम्बंधित किसी भी तरह का व्यवहार करने की प्रेरणा नहीं दी जाती बल्कि मानवता को स्थिरता प्रदान की जाती है।

(6) जातिगत व्यवहारों को दूर करना :- शिक्षा में जाति गत व्यवहारों को दूर करना सभी को उचित न्याय और पुरस्कार समानता के आधार पर प्रदान की जाती है।

व्यक्तित्व के विकास में सहायक होती है।

B S E M P

B
S
E
M
P

प्रश्न- 16 का उत्तर :-

उत्तर :- शक्ति सत्ता और समाज में घनिष्ठ सम्बंध है।
क्योंकि शक्ति से समाज और समाज द्वारा बनायी गयी
सत्ता दोनो प्रभावित होते है।
शक्ति वह है जो किसी शक्ति सम्पन्न व्यक्ति
येनो द्वारा अन्य व्यक्तियो को अपने अनुसार
व्यवहार करने पर मजबूर भी करती है।
शक्ति सामान्यता कानूनो द्वारा मान्य नही होती है। और न
ही व्यक्ति इसको मानने के लिए बाध्य होता है।
लेकिन जब शक्ति को सत्ता द्वारा लागू किया
जाता है। अर्थात जब इसे किसी सरकार या
संस्था द्वारा सत्ता के माध्यम से प्रदान की
जाती है तो इसका पालन करना हर व्यक्ति को
जरूरी हो जाता है।
इसका पालन न करने पर दण्ड की
भी उचित व्यवस्था होती है।
इसी कारण मैक्स वेबर ने कहा है। कि सत्ता एक
संस्थात्मक शक्ति होती है। जिससे सत्ता या कानूनो
द्वारा मान्यता प्राप्त की जाती है।
तथा समाज भी इसे मानने को बाध्य होता है।
उदा० जिस प्रकार यदि किसी व्यक्ति को धन की आवश्यकता
है। तो धन देने वाला व्यक्ति लेने वाले पर अपनी
शर्ते थोप सकता है। लेने वाला भी इसे मान लेता
है। इस प्रकार समाज को शक्ति प्रभावित करती

है। समाज मे व्यक्ति-सत्ता सभी का समान रूप से महत्व है। इसको हम अधिक या कम नही कह सकते है।

प्रश्न - 17 का उत्तर :=

संस्कृतिकरण - असंस्कृतिकरण अंतर

जब किसी समाज मे निम्न जातियो द्वारा उनसे उच्च जातियो के व्यवहारो का अनुसरण किया जाने लगता है।
तब इसे संस्कृति करण कहते है।
संस्कृतिकरण मे उच्च जाति से सम्बंध ब्राम्हण या पुरोहित वर्ग से ही सम्बंधित नही होता बल्की इसमे उन सभी जातियो का अनुसरण किया जाता है। जो प्रमुख जाति है। अर्थात उन से उच्च हो।
संस्कृतिकरण मे यह जातियाँ अपनी स्थिति को ऊपर उठाने की कोसिस करने लगती है।
जैसे यदि उच्च जाति द्वारा धार्मिक मंदिर इन क्रियाओ मे श्रद्धा दिखायी जाती है तो इन जातियो मे भी यही श्रद्धा बढ़ने लगती है।
इस प्रकार का जा सकता है। उच्च जातियो के व्यवहार करना संस्कृतिकरण है।

असंस्कृतिकरण := असंस्कृतिकरण मे इसका बिल्कुल विपरीत होने लगता है। जब उच्च जातियो मे निम्न जाति की तरह शराब, मदिरा-पान, अभद्र व्यवहार बढ़ने लगते है। तो समाज मे असंस्कृतिकरण मे वृद्धि होने लगती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

र ठ पृष्ठ 16 के अंक कुल अंक

इनमे भी निम्न जातियो द्वारा किये जाने वाले व्यवसायो की संख्या बढ़ने लगी है। जैसे आज अनेक ब्राह्मण भी दुकान खोले तो लाउन्ड्रियो का काम करते है। चमड़ा से सम्बंधित व्यवसाय करते है।

इन सभी का बढ़ना और जैसे धार्मिक कर्मकाण्डो को पूरा न करना जनेऊ धारण न करना। आदि। व्यवहारो मे वृद्धि को श्री निवास ने असंस्कृतिकरण कहा है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न- 14 का उत्तर :-

जनसंचार की प्रमुख विशेषतायें

(1) सूचनाओं का आदान-प्रदान

(2) लोगो को अधिक-अधिक जानकारी

(3) लोगो की मनोवृत्तियो मे परिवर्तन

(4) ग्रामीण-नगरीय संयोजन करना।

(5) आर्थिक विकास मे सहायक होना।

(6) संस्कृति का आदान-प्रदान

(7) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहन

(1) सूचनाओं का आदान-प्रदान :- जनसंचार ऐसा साधन है। जिसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगो की सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है। तथा लोगो को अपने संदेश-सूचनाये शीघ्रातिशीघ्र उन तक पहुंच जाते है।

(2) लोगो की मनोवृत्तियो मे परिवर्तन :- जनसंचार अनेक ऐसी सूचनाओं और तकनीकों का प्रसार करते है। जिससे लोगो की मनोवृत्तियो मे परिवर्तन होने लगता है। और वह परम्परागत व्यवहारो को छोड़कर नये सिरे से व्यावसायिक क्रियाओं और व्यवहार करना सिखते है।

(3) ग्रामीण-नगरीय संयोजन :- संचार के साधन ग्रामीण नगरीय संयोजन का काम करते है। तथा गाँवो को नगरीय अधिकारियो और पदों पर आने का

अधिक से अधिक प्रोत्साहन देते हैं।

(4) सांस्कृतिक समन्वयन → संचार द्वारा लोगों के विचारों का आदान-प्रदान बात होने से लोग एक दूसरे की संस्कृति को ग्रहण करने की ओर अग्रसर होते हैं।

(5) आर्थिक विकास में सहायक :→ संचार के साधन आर्थिक विकास मे सहायक होते हैं इनके द्वारा किसी भी कोने से व्यापार करना आसान हो गया और इससे देश विकास की ओर अग्रसर हुआ इसे उत्पादन के चौथे साधन के रूप मे देखा जाने लगा है।

(6) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सहयोग → इनके द्वारा विदेशी व्यापार को भी बढ़ावा मिला तथा इससे विदेशी पूँजी निवेश बढ़ा और व्यापार मे वृद्धि हुई।

पृष्ठ के ... का योग

प्रश्न - 19 का उत्तर :-

सामजिक आन्दोलन की विशेषताये
(1) समस्या या संकट
(2) परिवर्तन की इच्छा
(3) कुशल नेतृत्व
(4) दबाव का समावेश
(5) निश्चित उद्देश्य
(6) एक विचारधारा
(7) संगठन

(1) समस्या - कुछ लोगो की व्यक्तिगत इच्छा इतनी अधिक होती है कि इनको जब पूरा करने मे समान अवसर नही मिल पाता तो वह तरह-तरह के अनेक प्रयत्नो द्वारा उद्देश्य को पाने की कोशिश करते है तो सामाजिक आन्दोलन को जन्म देती है। इसमे परिवर्तन की इच्छा का समावेश होता है।

(2) संगठित प्रयत्न :- आन्दोलन संगठित प्रयत्न है। तो समाज मे मतभेद और विरोध से उत्पन्न होता है तथा समाज मे यह व्यक्ति दोनो परिवर्तन की इच्छा जब सभी समूह के लोगो मे उत्पन्न हो जाती है तो आन्दोलन का रूप धारण कर लेती है।

(3) कुशल नेतृत्व :- आन्दोलन मे कुशल नेतृत्व का विशेष

BSEMP

मजबूत होता है जिसके द्वारा ही आन्दोलन को सफल बनाया जा सकता है।

(4) परिवर्तन की इच्छा :- किसी व्यवस्था में परिवर्तन की इच्छा या किसी परिवर्तन का विरोध करने से ही आन्दोलन होता है।

(5) एक विचारधारा :- एक विचारधारा का होना आवश्यक होता है। विचारधारा के आधार पर ही लोग संगठित होते हैं और आन्दोलन करते हैं।

(6) दबाव का समावेश :- आन्दोलन में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो इसका विरोध करते हैं। ऐसे असमाजिक प्राणी हर आन्दोलन को सफल होने से रोकते हैं उसे सफल बनाने का प्रयत्न करते हैं इस प्रकार दबाव का समावेश होना हर आन्दोलन की शर्त है।

BSEMP

प्रश्न-२० का उत्तर :=

(1) सामाजिक समस्याये
(2) आर्थिक समस्याये
(3) राजनैतिक समस्याये

(1) सामाजिक समस्याओ मे (1) संयुक्त परिवार विघटन का
(2) जाति व्यवस्था (3) दुर्बल वर्गो का शोषण
(4) सती-प्रथा-जाति-प्रथा-बाल-विवाह आदि समस्याये।

(2) आर्थिक समस्याये :-
(1) कुटीर उद्योगो का पतन
(2) परम्परागत व्यवसाय
(3) सम्पत्ति संचयन पर रोक

(3) राजनैतिक समस्याये :- (1) दोषपूर्ण राजतंत्रिक व्यवस्था
(2) असमानता का व्यवहार करना।
(3) सभी अधिकारो से वंचित रखना।

(1) संयुक्त परिवार का विघटन := का विघटन इसका इसका नगरता तथा स्थानीय गतिविधिया में असन्तोष इसका प्रमुख कारण है। इसमे पति से बाहर जाने और न ही स्थानीय गतिविधियो को इसकी अनुमति दी जाती है।

B S E M I
पृष्ठ के

(22) 20 + 3 = 23

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 22 के अंक | कुल अंक

इस कारण अनेक जातियो को उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। समाज मे उनको अनेक अधिकारो से वंचित किया जाने लगता है।

समाज मे अनेक सामाजिक समस्याये भी इसी कारण फैली हुई है। इनमे इन को संरक्षण दिया जाता है।

आर्थिक समस्याओ मे जाति व्यवस्था के अन्तर्गत इनको अपने परम्परागत व्यवसाय छोड़ने की अनुमति नही दी जाती है। तथा न ही आजीविका अर्जित करने को बाहर जाने की सुविधा दी जाती है।

जाति व्यवस्था मुख्यतः एक वर्ग है जिसमे गतिशीलता का कोई स्थान नही होता है।

राजनैतिक समस्याये :- जाति व्यवस्था मे अपने प्रथागत कानूनो और परम्परागत व्यवहारो से बाहर निकलने की सुविधा नही दी जाती है। तथा तथा इसमे कानूनो को धार्मिक व्यवहार पर मान्यता और इसी के अनुसार व्यवहार करने का निर्देश दिया जाता है।

इस प्रकार इसे व्यक्ति अनेक सामाजिक कानूनो को जान भी नही पाता है।

लेकिन राज्य द्वारा व्यवस्था समाप्त कर दी गयी और कानून के अनुसार व्यवहार करने का आदेश दिया गया।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग 3

प्रश्न - 21 का उत्तर :-

(1) अंजातीयता
(2) भाषावाद
(3) जातिवाद
(4) भ्रष्टाचार
(5) अपराधों में वृद्धि।
(6) कानूनों का भ्रष्ट उपयोग
(7) कानूनों की दुर्बलता
(8) दूषित राजनीति
(9) विदेशी कूटनीति।

(1) अंजातीयता :- अंजातीयता की समस्या राज्य के समक्ष सबसे बड़ी समस्या है। अंजातीयता की भावना से ही हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे होते है। जो राज्य के समक्ष खतरा उत्पन्न करते है।
(2) भाषावाद :- भाषावाद राज्य के समक्ष सभी सबसे

B S E M P

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग